

---

vindhyeshvarIstotram

——  
विन्ध्येश्वरीस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : vindhyeshvarIstotram

File name : vindhyeshvarIstotra.itx

Category : devii, pArvatI, stotra, devI

Location : doc\_devii

Author : Traditional

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Latest update : June 15, 2004, October 5, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 2, 2026

*sanskritdocuments.org*

---



विन्ध्येश्वरीस्तोत्रम्



श्रीगणेशाय नमः ।

निशुम्भशुम्भमर्दिनीं प्रचण्डमुण्डखण्डनीम् ।

वने रणे प्रकाशिनीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ १ ॥

त्रिशूलमुण्डधारिणीं धराविघातहारिणीम् ।

गृहे गृहे निवासिनीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ २ ॥

दरिद्रदुःखहारिणीं सतां विभूतिकारिणीम् ।

वियोगशोकहारिणीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ ३ ॥

लसत्सुलोललोचनां लतासदेवरप्रदाम् । var जने सदा वरप्रदाम्

कपालशूलधारिणीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ ४ ॥

करो मुदा गदाधरो शिवां शिवप्रदायिनीम् । var कराब्जदानदाधरां

वरावराननां शुभां भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ ५ ॥

ऋषीन्द्रजामिनिप्रदां त्रिधास्वरूपधारिणीम् । var कपीन्द्रजामिनिप्रदां त्रिधास्वरूप

जले स्थले निवासिनीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ ६ ॥

विशिष्टसृष्टिकारिणीं विशालरूपधारिणीम् ।

महोदरे विशालिनीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ ७ ॥

पुरन्दरादिसेवितां मुरादिवंशखण्डनीम् । var सुरारिवंशखण्डिताम्

विशुद्धबुद्धिकारिणीं भजामि विन्ध्यवासिनीम् ॥ ८ ॥

॥ इति विन्ध्येश्वरीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

var indicates variation or pAThabhedha.

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar@hotmail.com

*vindhyeshvarIstotram*

pdf was typeset on March 2, 2026

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

